सावरकर जी का राजनीतिक दर्शन

प्रो0 श्यामनाथ मिश्र

विनायक दामोदर सावरकर निश्चित रूप से वास्तविक आधुनिक भारतीय राजनीतिक दार्शनिक हैं। वे राजनीतिक दार्शनिक हैं, क्योंकि उनके विचारों में निरंतरता है। विचारों को सुदृढ़ आधार देने के लिए उन्होंने सिद्धांत–निर्माण किये। ''हिन्दुत्व ही राष्ट्रीयत्व है'' संबंधी सिद्धांत इसका स्पष्ट उदाहरण है। अपने विचारों में निरंतरता कायम रखते हुए तथा उन विचारों के आधार पर सिद्धांत–निर्माण करने के साथ ही उन्होंने उनसे संबंधित पुस्तकें भी लिख डाली। हिन्दुत्व तथा 1857 के भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी पुस्तकें इसी श्रेणी की हैं। इस तरह स्पष्ट होता है कि विचारों में निरंतरता, सिद्धांत–निर्माण तथा ग्रंथ–लेखन की दृष्टि से सावरकर जी एक राजनीतिक दार्शनिक हैं।